एस. समुथीराम
अकादेमी पुरस्कार:
लोक संगीत, तमिलनाडु

S. SAMUTHIRAM
Akademi Award:
Folk Music, Tamil Nadu

तमिलनाडु के सुरंदई में 24 अप्रैल 1943 को जन्मे, के एस. समुथीराम ने 12 साल की उम्र से ही तबला वादन सीखना शुरू कर दिया था। आपने 1957 में श्री वेलु से नागस्वरम सीखा। 1960 से 1965 के बीच उन्होंने श्री गणेशन से और फिर आगे 1970 से श्री कोमू कंबर से नागास्वरम सीखा। 19 साल की उम्र में आपने मेला कुलू नामक एक समूह बनाया और नैयंदी मेलम नामक लोक कला का प्रदर्शन करना शुरू किया।

आपने राज्य सरकार द्वारा समर्थित तमिलनाडु में विभिन्न संगठनों से नागस्वरम वाद्य यंत्र बजाने में उत्कृष्टता के लिए 12 स्वर्ण पदक प्राप्त किए। 31 मई 1991 से वे तिरुनेलवेली के आकाशवाणी कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुतियां दे रहे हैं। इसी वर्ष से आपने स्थानीय दूरदर्शन कार्यक्रमों में भी अपनी शुरुआत की। तमिलनाडु सरकार के कार्यक्रमों में नियमित कलाकार रहे हैं। आपने उत्तर क्षेत्र पारंपरिक कला महोत्सव में भाग लिया है। समुथिराम इयाल इसाई नाटक मनराम की सामान्य परिषद के सदस्य हैं। आपने अपनी कला में कई छात्रों को प्रशिक्षित किया है।

तमिलनाडु सरकार ने उन्हें 2017 में कलाईमणि पुरस्कार और 2005 में कलाई मुदुमणि पुरस्कार से सम्मानित किया है।

श्री एस. समुथीराम को तमिलनाडु के लोक संगीत में योगदान के लिए 2021 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 24 April 1943, S. Samuthiram from Surandai in Tamil Nadu started learning the percussion instrument at the age of 12 years. He learnt nagaswaram properly from Shri Velu in 1957. Between 1960 to 1965 he learnt Nagaswaram from Shri Ganeshan and then from Shri Komu Kambar since 1970 onwards. At the age of 19 he formed a group, Mela Kulu and started performing the folk art called Naiyaandi Melam.

He has won 12 gold medals for excellence in the playing of the nagaswaram instrument from various organisations in Tamil Nadu, supported by the State government. From 31 May 1991 he has been featuring in AIR programmes of Tirunelveli. The same year, he made his foray into the local Doordarshan programmes as well. He has won 12 gold medals and has been a regular artist in the programmes of the Tamil Nadu government. He has participated in the North Zone Traditional Arts Festival. Samuthiram is member of the general council of the Iyal Isai Nataka Manram. He has trained a number of students in the art.

The Tamil Nadu government has honoured him with the Kalaimamani Award in 2017 and Kalai Mudumani Award in 2005.

Shri S. Samuthiram receives the Sangeet Natak Akademi Award for 2021 for his contribution to the folk music of Tamil Nadu.